भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3194

मंगलवार, 23 मार्च, 2021/2 चैत्र, 1942 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

असम में 'स्वदेश दर्शन' योजना

3194 श्री अजीत कुमार भुयान:
श्री कामाख्या प्रसाद तासा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने असम के कुछ हिस्सों को ज्यादा पर्यटक-अनुकूल बनाने के लिए उन्हें विकसित करने की कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार की "स्वदेश दर्शन योजना" के तहत असम राज्य सरकार की ओर से पर्यटक स्थलों को विकसित करने के संबंध में कोई व्यापक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा है और सरकार द्वारा आवश्यक निधि के आवंटन हेतु अब तक क्या कार्रवाई की गई है; और

(ड.) क्या सरकार ने पर्यटन परियोजना के लिए बहुप्रतीक्षित सार्वजनिक मांग को कार्यान्वित करने के लिए कदम उठाए हैं/ उठाने का विचार रखती है, क्योंकि इसमें घरेलू और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की पर्याप्त पर्यटन संभावना मौजूद है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

(क) से (ड.): पर्यटन का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' योजना के अंतर्गत असम राज्य सहित देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता देता है। परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन तथा पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता आदि की शर्त पर स्वीकृति प्रदान की जाती है। वर्तमान में स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत स्वीकृति हेतु कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। तथापि पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत असम राज्य में निम्नलिखित दो परियोजनाओं को स्वीकृति दी है:-

i. वर्ष 2015-16 में 94.68 करोड रु. की कुल राशि से वन्यजीव परिपथ के अंतर्गत मानस- प्रॉबीतोरा-नामेरी- काजीरंगा- डिब्रू- सैखोवा का विकास।

ii. वर्ष 2016-17 में 90.98 करोड़ रु. की कुल राशि से विरासत परिपथ के अंतर्गत तेजपुर- मजूली-शिवसागर का विकास।

इसके अतिरिक्त 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रसाद)' योजना के अंतर्गत असम राज्य में वर्ष 2015-16 में पर्यटन मंत्रालय द्वारा 30.71 करोड़ रु. की राशि से "कामाख्या मंदिर और गुवाहाटी तथा उसके आसपास के तीर्थ गंतव्य के विकास" की एक अन्य परियोजना को स्वीकृति दी गई है।

****